vinetur

इटली ने DOP और IGP लेबलों के लिए वाइन संरक्षण संघों को मजबूत करने वाला आदेश अपनाया

इस उपाय में मान्यता के नियम बदले गए हैं, संरक्षित नामों की ऑनलाइन निगरानी बढ़ाई गई है और आपूर्ति नियमन में संघों की भूमिका मजबूत की गई है

गुरुवार, 19 नवंबर 2026



इटली ने वाइन क्षेत्र के DOP और IGP लेबलों के संरक्षण संघों को मजबूत करने के उद्देश्य से एक नया आदेश अपनाया है। इसके तहत इन निकायों के गठन, मान्यता और संचालन से जुड़े नियमों को अद्यतन किया गया है।

कृषि, खाद्य संप्रभुता और वानिकी मंत्रालय ने बुधवार, 18 नवंबर को इस उपाय की घोषणा की। मंत्रालय ने कहा कि आदेश में DOP और IGP वाइन की निगरानी करने वाले संघों के गठन, मान्यता और कामकाज को शामिल किया गया है। ये दोनों श्रेणियां यूरोपीय व्यवस्था के तहत संरक्षित भौगोलिक उत्पत्ति और गुणवत्ता मानकों से जुड़ी हैं।

कृषि मंत्री Francesco Lollobrigida ने कहा कि ये संघ इटली की पदनाम-आधारित खाद्य और वाइन अर्थव्यवस्था की सफलता के “मुख्य स्तंभों में से एक” हैं। उन्होंने कहा कि इस नए उपाय का उद्देश्य इतालवी वाइन पदनामों के संरक्षण,

प्रचार और संवर्धन में उनकी भूमिका मजबूत करना है। साथ ही, भौगोलिक संकेतों के प्रबंधन, आपूर्ति नियमन, वाइन पर्यटन को बढ़ावा देने और उत्पादन की पर्यावरणीय, आर्थिक तथा सामाजिक स्थिरता को समर्थन देने के लिए उन्हें अधिक प्रभावी साधन देना भी इसका मकसद है।

मंत्रालय के अनुसार, आदेश में मान्यता और प्रतिनिधित्व के लिए नई शर्तें तय करके राष्ट्रीय नियमों को अद्यतन किया गया है। इसका उद्देश्य आपूर्ति श्रृंखला के विभिन्न हिस्सों की संतुलित भागीदारी सुनिश्चित करना भी है। व्यवहार में, इसका अर्थ है कि संघों के कानूनी ढांचे में बदलाव किया जा रहा है, ताकि किसी पदनाम से जुड़े अंगूर उत्पादकों, वाइन निर्माताओं और उद्योग के अन्य समूहों का संशोधित मानदंडों के तहत प्रतिनिधित्व हो।

आदेश में संरक्षित वाइन नामों के अनुचित इस्तेमाल के खिलाफ उपायों का दायरा भी बढ़ाया गया है और बाजार निगरानी मजबूत की गई है, जिसमें ऑनलाइन प्लेटफॉर्म भी शामिल हैं। मंत्रालय ने कहा कि इस काम का समन्वय ICQRF करेगा। यह कृषि-खाद्य क्षेत्र में निरीक्षण और धोखाधड़ी-रोधी कार्रवाई के लिए जिम्मेदार इटली का निरीक्षणालय है। इस प्रावधान पर उन उत्पादकों का विशेष ध्यान जा सकता है, जो डिजिटल बिक्री माध्यमों और ऑनलाइन प्रचार में संरक्षित नामों के इस्तेमाल को लेकर चिंतित हैं।

मंत्रालय ने कहा कि यह मसौदा आपूर्ति श्रृंखला के प्रतिनिधि संगठनों के साथ व्यापक चर्चा के बाद तैयार किया गया और इसे इटली के क्षेत्रों के साथ बड़े पैमाने पर साझा किया गया। Lollobrigida ने कहा कि इस आदेश से राष्ट्रीय नियमों को भौगोलिक संकेतों से जुड़े यूरोपीय विनियमन के अनुरूप बनाने के लिए जरूरी प्रक्रिया पूरी होती है और वाइन क्षेत्र को अद्यतन तथा अधिक सुसंगत कानूनी ढांचा मिलता है।

इन बदलावों का असर प्रशासनिक प्रक्रियाओं से कहीं आगे तक हो सकता है। इटली की DOP और IGP व्यवस्था देश के वाइन कारोबार के केंद्र में है और पदनामों के संचालन, संरक्षण तथा प्रचार में संघों की अहम भूमिका है। प्रतिनिधित्व और आपूर्ति नियमन के लिए मजबूत ढांचा इस बात को प्रभावित कर सकता है कि अंगूर उत्पादक, वाइनरी और कारोबारी मात्रा का प्रबंधन कैसे करते हैं, ब्रांड मूल्य की रक्षा कैसे करते हैं और बाजार के दबावों से कैसे निपटते हैं—खासकर उन श्रेणियों में जहां उत्पादन स्तर और पदनाम नियमों पर कड़ी नजर रखी जाती है।

आपूर्ति नियमन का उल्लेख पेय क्षेत्र के लिए खास अहमियत रखता है, क्योंकि इससे संकेत मिलता है कि पदनाम निकायों को बाजार प्रबंधन के साधनों पर अधिक प्रभाव देने की व्यापक कोशिश की जा रही है। इससे यह तय करने पर असर पड़ सकता है कि संरक्षित वाइन को बाजार में किस तरह पेश किया जाए, उत्पादन का समन्वय कैसे हो और मांग में उतार-चढ़ाव पर उत्पादक कैसे प्रतिक्रिया दें। वहीं, नियमों का सख्त प्रवर्तन भौतिक और ऑनलाइन, दोनों बाजारों में संरक्षित नामों के अनधिकृत इस्तेमाल पर दबाव बढ़ा सकता है।

इस आदेश को भौगोलिक संकेतों के व्यापक यूरोपीय ढांचे से जोड़कर इटली की सरकार यह संकेत भी दे रही है कि वाइन पदनाम नीति EU मानकों से निकटता से जुड़ी रहेगी। उत्पादकों और संघों के लिए इसका अर्थ है कि अद्यतन राष्ट्रीय नियम केवल घरेलू संचालन में बदलाव नहीं हैं, बल्कि उस व्यापक कानूनी ढांचे के अनुरूपता का हिस्सा हैं, जो पूरे यूरोप और निर्यात बाजारों में इतालवी वाइन नामों के संरक्षण और व्यावसायिक मूल्य को आधार देता है।